



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्रधानमंत्री द्वारा प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 179]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अगस्त 16, 1991/शावण 25, 1913

No. 179]

NEW DELHI, FRIDAY, AUGUST 16, 1991/SRAVANA 25, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे इक यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

(आयात व्यापार नियंत्रण)

मार्वजनिक सूचना सं. 197—आईटी सी (पी एन) / 90-93

नई दिल्ली, 16 अगस्त, 1991

विषय : अप्रैल, 1990—मार्च, 1993 के लिए आयात-नियंत्रित नीति।

फा. सं. आई पी सी/ 4/5(126)/85-88 :—वाणिज्य मंत्रालय की मार्वजनिक सूचना सं. 1—आईटी सी (पी एन) / 90-93, दिनांक 30 मार्च, 1990 के अंतर्गत प्रकाशित अप्रैल, 1990—मार्च, 1993 के लिए यथासंशोधित आयात-नियंत्रित नीति की ओर घात आकर्षित किया जाता है :—

2. नीति में निम्नलिखित संशोधन नीचे निर्दिष्ट उपयुक्त शब्दों पर किए जायेगे :—

क्रम सं. आयात-नियातनीति, संवर्भ
1990-93 (खण्ड-1)
की पृष्ठ संख्या

संशोधन

(1)	(2)	(3)	(4)
-----	-----	-----	-----

45-46	अध्याय 9 कार तथा वाहनों का आयात पैग्राफ 135 से 147	
-------	--	--

अध्याय 9 को हटा दिया जाए।
मौजूदा मद संख्या 51 (जिसे वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं. 115-आईटीसी (पीएन) 90-93, दिनांक 11-1-91 द्वारा समाविष्ट किया गया था) के बाद निम्नलिखित को जोड़ा जायेगा :—

मद	पात्र आयातकों की श्रेणियां
----	----------------------------

52. कारें, स्टेशन वैगास, जीपे (क) भारतीय नागरिक या भारत मोटर साइकिलें, स्कूटर, आटो-साइकिल, मिनी कार एवं मोपेड में स्थायी तौर पर रहने के लिए आने वाले भारतीय मूल के विदेशी नागरिक।

(ख) भारतीय नागरिकों से विवाहित विदेशी नागरिक (भारतीय मूल के अधिकारीयों सहित)।

(ग) भारत में कार्यरत विदेशी नागरिक और विदेशी विषेषज्ञ।

(घ) विदेशी संस्थाओं (निगमित अथवा अन्य प्रकार की) शाकार्थ/कार्यालय।

(ङ) विदेशी महयोग वाली भारतीय कम्पनी।

(च) विदेशी समाचार एजेंसियों के अधिकृत पत्रकार/संवाददाता।

(छ) वायु सेवा प्रदान करने वाली कंपनियां।

(ज) विदेशी ठेका लेने वाली भारतीय फर्में।

(झ) पृथ्यार्थ और धर्मार्थ संस्थाएं।

(झ) विदेशी सरकारों के अद्वैतनिक वाणिज्य दूत।

(1)	(2)	(3)	(4)
3. 181-189	परिशिष्ट - 6 बुले सामान्य लाइसेंस के अंतर्गत आयात की शासित करने वाली ग्राउंड	मौजूदा शर्त सं. 51 के बाद निम्नलिखित को जोड़ा जाएगा: बुले सामान्य लाइसेंस के अंतर्गत (51क) जब तक कि अन्यथा विहित न हो, सभी श्रेणियों की कारो/वाहनों पर लागू होने वाली सामान्य शर्तें :	<p>(1) भारत से विदेशी मुद्रा में लागत, भाड़ा या बीमा का भुगतान करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।</p> <p>(2) संगत सीमाशुल्क नियम के अंतर्गत यथा देय कार/वाहन के लिए सीमाशुल्क का भुगतान परिवर्तनीय विवेशी मुद्रा में किया जाएगा। शर्त यह है कि भारतीय दूलाबासों/विवेशी उच्चायोगों या सार्वजनिक धेन के उपक्रमों के विवेश स्थित कार्यालयों में तैनात केन्द्र सरकार, राज्य सरकार या सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के कर्मचारी सीमा शुल्क का भुगतान भारतीय रूपयों में कर सकते हैं।</p> <p>(3) भारत में कार/वाहन आ जाने पर उसे आयातक के नाम से पंजीकृत करवाया जाए।</p> <p>(4) जब तक कि अन्यथा व्यवस्था न की गई हो, मुख्य: नियंत्रक आयात-निर्यात की लिखित अनुशा के बिना परिशिष्ट 6 की मद संख्या 52 के ख, घ, च, छ, ज, और (झ) श्रेणियों के अंतर्गत आयात किए गए कार/वाहन के स्वामित्व/प्रधिकार को आयात की नारीव से 5 वर्षों तक क्षमतान्तरित नहीं किया जाएगा।</p> <p>(5) निर्यातक को मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के संबंधित स्थानीय कार्यालय में निर्धारित प्रपत्र में आयात पर लागू होने वाली शर्तों को पूरा करने का वचन देते हुए भारत के राष्ट्रपति के पक्ष में कार/वाहन के सीमाशुल्क आकलित लागत बीमा भाड़ा मूल्य के वरावर राशि के लिए एक बंध पक्ष भरना होगा। जैसी स्थिति हो, 5 वर्षों या इससे अधिक की “बिक्री न की जाने की निर्धारित अवधि” के लिए वाहन को गिरवी रखने के मद्दे कार/वाहन के सीमा शुल्क आकलित लागत बीमा भाड़ा मूल्य के लिए बंध पक्ष के साथ किसी अनुसूचित बैंक की बैंक गारंटी होनी चाहिए। बन्ध पक्ष छ: वर्षों की अवधि के लिए बैंक होगा जिसे मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात के संबंधित कार्यालय द्वारा यथा अपेक्षित ऐसी और अवधि के लिए बढ़ाया या पुनः नवीनीकृत किया जा सकता है।</p> <p>(6) श्रेणी के मामले में ‘बिक्री न की जाने की निर्धारित अवधि लागू नहीं होगी।</p> <p>(7) कार/वाहन के आयात के साथ-साथ 2500 रुपये के लागत बीमा भाड़ा मूल्य तक के अतिरिक्त पुँजों का आयात किया जा सकता है।</p>

किसी विशेष श्रेणी पर लागू होने वाली विशेष शर्तें

भारतीय नागरिक या भारत में स्थायी तौर से रहने के लिए आने
वाले भारतीय मूल के विवेशी नागरिक (श्रेणी क)

- (क) भारत लौटने वाले भारतीय नागरिकों को विवेश में लगानार
2 वर्षों की अवधि तक रुके होना चाहिए तथा वाहन विवेश में
उसकी अपनी ही अंजित की गई आय से खरीदी गई होनी चाहिए।
भारतीय श्रावास स्थानास्तरण के अंतर्गत 1400 भी सी के आकार
वाले ईजन तक की नई कारें भी आयात कर सकते हैं अपशत् कि

विदेश में इसका भुगतान भारत लौटने से पहले ही कर दिया गया हो। तथापि, 1400 सी. सी. से अधिक आकार के इंजन वाले कारों का आयात इस शर्त पर किया जाएगा कि भारत लौटने से पूर्व कम में कम 1 वर्ष की अवधि तक आवेदक ने उस वाहन का इस्तेमाल किया हो। आयातक का विधिवत् अधिसूचित निर्धारित प्रोफार्मा में एक हस्फनामा प्रस्तुत करना होगा। प्रथम वाहन के आयात की तारीख से कम से कम 5 वर्षों की अवधि तक भारत में रहने के बाद ही दूसरे कार के आयात की अनुमति दी जाएगी।

विदेशी नागरिक (भारतीय नागरिकों से विवाहित भारतीय मूल के व्यक्तियों सहित (श्रेणी ख))

(1) इस श्रेणी में स्थायी और से रहने के लिए भारत आने वाले व्यक्तियों कोई कार/वाहन मात्रा-पिता से उपहार के रूप में और विवाह के एक वर्ष की अवधि के भीतर केवल एक बार ही आयात कर सकते हैं अथवा यदि कार/वाहन स्वयं नियोजित की गई विदेशी मुद्रा से खरीदी गई हो और विवाह से पहले इस्तेमाल में रही हो तथा किसी अन्य प्रावधान के अंतर्गत कोई कार आयात न की गई हो तो ऐसे व्यक्ति केवल एक बार ही कार/वाहन का आयात कर सकते हैं।

भारत में कार्यरत विदेशी नागरिक और विदेशी विशेषज्ञ (श्रेणी ग)

(3) (क) भारत में सार्वजनिक या निजी क्षेत्र में लगे हुए भारतीय मूल के विदेशी नागरिकों सहित अन्य विदेशी नागरिक इस शर्त पर कार/वाहन आयात करने के पात्र होंगे कि भारत में उनकी नियुक्ति कम से कम एक वर्ष के लिए हो और

(ख) स्व. नियोजित विदेशी नागरिकों को केन्द्रीय/राज्य सरकार से अधिकारी की प्रकृति और आयात के लिए औचित्य से संबंधित प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा।

(ग) सहायता कार्यक्रमों के तहत भारत में आने वाले विदेशी विशेषज्ञों को सामान्य ब्योरा, कार्य का स्वरूप, संभाषण अवधि, सहायता कार्यक्रमों का ब्योरा, कार/वाहन के खरीद बीजक/पंजीकरण, उसके स्वामित्व के प्रमाण-पत्र देते हुए नियुक्ति/नियोजन का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।

ऊपर (क) (ख) और (ग) में उल्लिखित सभी मामलों में उपर्युक्त आयात इस शर्त के अधीन होगा कि लघु अवधि जो 3 मास से अधिक न हो, के लिए विदेश में भ्रमण के सिवाय जब आयातक भारत छोड़ेगा तो वाहन का पुनः नियोजित कर दिया जाएगा अथवा भारत में राज्य व्यापार निगम को अथवा कार का आयात करने के लिए पात्र किसी अन्य विदेशी नागरिक को बेच दिया जाएगा। बायते कि खुले बाजार में कार की बिक्री की अनुमति मुख्य नियंत्रक आयात-नियात नई दिल्ली द्वारा इस शर्त के अधीन दी जाएगी कि विदेशी को उपलब्ध प्रति देय मूल्य सीमाशुल्क मूल्यांकन के प्रयोजन के लिए जागू दर पर मूल्य ह्रास घटाने के बाद विदेशी मुद्रा में चुकायी गयी कुल लागत से अधिक न हो।

(1)	(2)	(3)	(4)
			विदेशी संस्थाओं (निगमित आधार अथवा अन्य) की शाखाएँ/कार्यालय (श्रेणी च)
			(4) विदेशी संस्थाओं की शाखा/कार्यालय एक कार/वाहन (यदि विभिन्न नगरों में एक शाखा/कार्यालय से अधिक शाखा/कार्यालय हों तो (2) द्वारा शर्त के शर्धीन आयात करने के लिए पात्र होंगे कि सरकार/भारतीय रिजर्व बैंक भारत में शाखा/कार्यालय खोलने के लिए स्वीकृति दें। इसमें वाहन के आयात की अनुमति इस शर्त के अवीन दी जाएगी कि पहला वाहन भारतीय राज्य व्यापार निगम को बेचा गया हो।
			विदेशी सहयोग वाली भारतीय कम्पनी । (श्रेणी छ)
			(5) विदेशी सहयोग वाली वह भारतीय कम्पनी उन मामलों में कार/वाहन का आयात करने के लिए पात्र होंगी जहाँ समय-समय पर सहयोग करार हेतु अपेक्षित रोजगार/विदेशी निवेशक/तकनीकी विशेषज्ञों का दीरा ज़रूरी हो। मुख्य नियंत्रक आयात-नियंत्रित नई दिल्ली 10 वर्ष की अवधि के बाद कार/वाहन की बिक्री की अनुमति दे सकते हैं और इसे प्रथमतः भारतीय राज्य व्यापार निगम को बिक्री के लिए प्रस्तुत करना अपेक्षित होगा।
			विदेशी समाचार एजेंसियों के अधिकृत पत्रकार/संचारदाता (श्रेणी च)
			(6) विदेशी समाचार एजेंसियों के अधिकृत पत्रकार/संचारदाता कार/वाहन/आयात करने के पात्र होंगे बशर्ते कि वह इसके लिए पत्र सूचना कार्यालय, नई दिल्ली की सिफारिश प्रस्तुत करें और शर्ते यह है कि वह इसका पुनः निर्यात या बिक्री भारतीय राज्य व्यापार निगम को करें।
			हवाई जहाज कम्पनियाँ (श्रेणी छ)
			(7) हवाई जहाज कम्पनियाँ कार/वाहन का आयात करने के लिए पात्र होंगी बशर्ते कि वह इसके लिए सिविल विमानन मंत्रालय, नई दिल्ली की सिफारिश प्रस्तुत करें।
			आयात पुनः निर्यात आधार भारतीय राज्य व्यापार निगम को बिक्री की शर्त के अध्याधीन होगा।
			विदेशों में संविदा करने वाली भारतीय फर्में (श्रेणी ज)
			(8) (क) विदेश में संविदा करने वाली भारतीय फर्में परियोजना के वास्तव में पूरा हो जाने पर कार/वाहन का आयात करने की पात्र होंगी और उन्हें संविदा करने के लिए कार/वाहन की खरीद हेतु संविदा नया समुद्र गार खर्च की मंजूरी के लिए भारतीय रिजर्व बैंक/भारत सरकार का अनुमोदन प्रस्तुत करना होगा।
			(ख) जिन भारतीय कम्पनियों के विदेश में कार्यालय हैं, विदेश में उनका कार्यालय वंद हो जाते की दशा में वे कार/वाहन का आयात करने की पात्र होंगी लेकिन इसके लिए शर्त यह है कि कार खरीदने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक का अनु-

1

2

3

4

मोदन प्राप्त कर लिया जाए और यह प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किया जाए कि विदेश में उनका कार्यालय बंद हो जाने से कम से कम एक बार पहले से विदेश में कम्पनी कार/बाहन का इस्तेमाल कर रही है।

पुष्पार्थ और धर्मार्थ संस्थाएं (श्रेणी छ)

(9) पुष्पार्थ और धर्मार्थ संस्थाएं उग्रहार स्वरूप उययोगिता गाड़ियों, जीप, मिनी बसों प्रथमा एम्बुलेंस, स्टेशन बैगन, जीप, मिनी बसों अथवा यात्री परिवहन वाहनों का आयात करने की पात्र होगी वशर्त कि वह एक संस्थापित संस्थान हों जो समुदाय के सामान्य लाभ के लिए कार्य कर रहा हो और वह इसके लिए विवेशी अंशदान अधिनियम, 1976 के तहत आवश्यक फ्रीयरेस प्रस्तुत करे।

विवेशी सरकारों के अवैतनिक वाणिज्यदूत (श्रेणी ट)

विवेशी सरकारों के अवैतनिक वाणिज्यदूत कार के आयात के पात्र होंगे वशर्त कि वह इस निमित्त विवेश मन्त्रालय की विशिष्ट सिफारिश प्रस्तुत करे। पहली कार के आयात की तारीख के बाद से कम से कम पाँच वर्ष की अवधि के बाद दूसरी कार के आयात की अनुमति दी जाएगी। दूसरी कार के आयात की अनुमति मिल जाने पर ही खुले बाजार में पहली कार की बिक्री के अनुरोध पर मुख्य नियंत्रक, आयात नियंत्रित, नई दिल्ली द्वारा विचार किया जायेगा। जहां पांच वर्षों की अवधि के बीच अवैतनिक वाणिज्यदूत बदल जाते हैं, वहां नये अवैतनिक वाणिज्यदूत को दूसरी बार के आयात की अनुमति नहीं दी जायेगी लेकिन उसके पूर्वाधिकारी द्वारा आयात की गई कार उक्त अवैतनिक वाणिज्यदूत को मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित, नई विली की पूर्वानुमति से हस्तांतरित कर दी जायेगी।

3. वाणिज्य मन्त्रालय की सार्वजनिक सूचना सं. 2-आई टी सी (पी एन)/90-93 दिनांक 30 मार्च, 1990, के तहत प्रकाशित यथा संशोधित प्रक्रिया पुस्तक अप्रैल, 1990—मार्च, 1993 की ओर भी ध्यान आकर्षित किया जाता है।

4. प्रक्रिया पुस्तक में निम्नलिखित संशोधन उपयुक्त स्थानों पर नीचे दिये गये अनुसार किये जायेंगे।

अम सं. प्रक्रिया पुस्तक 1990-93 (खण्ड-1)
की पृष्ठ संख्या

संघर्ष

संशोधन

1

2

3

4

1. 52-53	अध्याय-9 कार और बाहनों का आयात	मौजूदा अध्याय हटा दिया जाएगा।
2. 200:201	परिशिष्ट-9 कार और अन्य बाहनों का आयात	वह परिशिष्ट हटा दिया जायेगा।

5. आयात-नियंत्रित नीति और प्रक्रिया पुस्तक में उपर्युक्त संशोधन लोकहित में किये गये हैं।

ई. आर. भेद्दा, मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित

MINISTRY OF COMMERCE

(Import Trade Control)

PUBLIC NOTICE NO. 197 ITC(PN)/90-93

New Delhi, the 16th August, 1991

Subject : Import and Export Policy for April 1990-March, 1993.

F.No. IPC/4/5(126)/83-88.—Attention is invited to the Import and Export Policy for April 1990—March 1993, published under the Ministry of Commerce Public Notice No. I-ITC(PN)/90-93 dated the 30th March, 1990, as amended.

2. The following amendments shall be made in the Policy at appropriate places indicated below:-

Sl. No.	Page No. of Import and Export Policy, 1990-93 (Volume I)	Reference	Amendment
1	2	3	4
1.	45—46	Chapter IX Import of Car and Vehicles Paragraphs 135 to 147	Chapter IX is deleted.
2.	180	Appendix 6 Import of items under Open General Licence	After the existing Item No. 51 (inserted by Ministry of Commerce Public Notice No. 115-ITC (PN)/90-93 dated 11-1-91), the following shall be inserted:-
			Item Categories of eligible importers
			52. Cars, Station wagons, (A) Indian Nationals or foreign jeeps, motor cycles, nationals of Indian origin Scooters, autocycles, returning to India for permanent mini-cars and mopeds. (B) Foreign Nationals (including per- sons of Indian origin) married to Indian Nationals. (C) Foreign Nationals and foregn experts working in India. (D) Branches/Offices of Foreign Institutions (Corporate or otherwise). (E) Indian Company having Foreign Collaboration. (F) Accredited Journalists/Corre- spondents of Foreign News Agencies. (G) Air Companies. (H) Indian Firms executing contracts abroad. (I) Charitable and Missionary Institutions. (J) Honorary Consuls of Foreign Governments.
3.	181—189	Appendix 6 Conditions Governing Imports under Open General Licence.	After the existing condition No. (51), the following shall be inserted:- (51A). General conditions applicable to all categories of importers of cars/vehicles unless otherwise provided. (i) Remittance of foreign exchange from India towards payment of the cost, freight or insurance will not be allowed.

1 . . . 2

3

4

- (ii) The Customs duty for the car/vehicle as leviable under the relevant Customs rule is to be paid in foreign convertible currency.

Provided, that employees of the Central Government, State Government, State Government or Public Sector Undertakings, who are posted in Indian Embassies/High Commissions abroad or in foreign offices of public sector undertakings, may make the payment of Customs duty in Indian Rupees.

- (iii) On arrival of the Car/Vehicle in India it should be got registered in the name of the importer.

- (iv) The ownership or possession of the car/vehicle imported under categories B, D, F, G, H and I of Item 52 of Appendix 6 shall not be transferred for 5 years from the date of importation without the written permission of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi unless otherwise provided.

- (v) The importer is required to execute a Bond in the prescribed proforma for an amount equal to the Customs assessed C.I.F. value of the Car/Vehicle in favour of the President of India at the concerned local Office of the Chief Controller of Imports and Exports, undertaking to fulfil the conditions applicable to import. The Bond should be supported by bank guarantee of a scheduled bank for the Customs assessed C.I.F. value of the car/vehicle against mortgage of the vehicle for the 'No Sale Period' of 5 years or more as the case may be. The bond shall be valid for a period of six years to be extended or renewed for such further period as may be required by the concerned Office of CCI&E.

- (vi) The 'No Sale Period' shall not be applicable in the case of category A.

- (vii) Import of spares upto a C.I.F. value of Rs. 2,500/- can be made alongwith the import of Car/Vehicle.

Special Conditions applicable to particular Category.

Indian Nationals or foreign nationals of Indian origin returning to India for permanent settlement (Category A).

- (i) Indian nationals returning to India must have stayed abroad continuously for a period of 2 years and the vehicle has been purchased out of his own earnings abroad. Import even new cars upto engine size 1400 cc can be made by Indians under Transfer of Residence subject to the condition that the payment has been made abroad before return to India. However, import of cars of engine size above 1400 cc will be subject to the condition that the vehicle has been in use of the importer at least for a period of one year prior to return to India. The importer is required to furnish an affidavit in the prescribed proforma duly notarised. Import of a second car will be allowed only after a minimum period of 5 years stay in India from the date of import of the first vehicles.

Foreign Nationals (Including persons of Indian origin married to Indian Nationals (Category B)).

- (ii) Persons in this category coming to India for permanent settlement may import a car/vehicle only once as a gift from the parents and within a period of one year of the marriage OR may import car/vehicle only once if it was purchased out of own foreign exchange earnings and it was in use before marriage and no car has been imported under any other provision.

1 2 3

4

Foreign Nationals and foreign experts working in India.
(Category C).

- (iii) (a) Foreign nationals including those of Indian origin employed in India in public or private sector will be eligible to import a car/vehicle if the assignment in India is for a minimum period of one year and subject to production of employer's certificate in original.
- (b) Self-employed foreign nationals will be required to produce Central/State Government certificate regarding the nature of profession and justification for import.
- (c) Foreign experts coming to India under Aid Programmes will be required to produce a certificate of assignment/employment from the concerned Government Department giving general particulars, nature of work, likely tenure, particulars of aid programme, Purchase invoice/registration certificate of ownership of the car/vehicle. In all cases mentioned at (a), (b) and (c) above import will be subject to the condition that except for a short visit abroad not exceeding 3 months, the vehicle shall be re-exported or sold to the State Trading Corporation of India or to any other foreign national entitled to import a car, when the importer leaves India. Provided that sale of the car in the open market may be permitted by the Chief Controller of Imports and Exports New Delhi subject to the condition that the repatriable value available to the foreigner is not more than the landed cost paid in foreign exchange after deducting depreciation at the rate applicable for the purpose of customs valuation.

Branches/Offices of Foreign institutions (Corporate or otherwise) (Category D).

- (iv) Branches/Offices of foreign institutions will be eligible to import one car/vehicle (two if there are more than one branch/office in different towns) subject to the approval of the Government/Reserve Bank of India for opening the branch/office in India. Import of a second vehicle may be allowed after a lapse of five years from the date of importation of the first vehicle subject to the sale of first vehicle to the State Trading Corporation of India.

Indian Company having foreign collaboration (Category E)

- (v) Indian Company having foreign collaboration will be eligible to import a car/vehicle in cases where the collaboration agreement requires employment/visit of foreign director/technical experts from time to time. The Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi may allow sale of the car/vehicle after a period of 10 years and the same shall be required to be offered for sale first to the State Trading Corporation of India.

Accredited Journalists/Correspondents of foreign news agencies, (Category F).

- (vi) Accredited journalists/correspondents of foreign news agencies will be eligible to import car/vehicle subject to production of the recommendation of the Press Information Bureau, New Delhi and subject to the condition of re-export or sale to the State Trading Corporation of India.

Air Companies (Category G)

- (vii) Air companies will be eligible to import car/vehicle subject to the production of recommendation of the Ministry of Civil Aviation, New Delhi. Import will be subject to the condition of re-export or sale to State Trading Corporation of India.

2

3

1

4

Indian firms executing contracts abroad (Category H)

(viii)(a) Indian firms executing contracts abroad will be eligible to import car/vehicles on substantial completion of the project and will be required to produce approval of Reserve Bank of India/Government of India sanctioning contract and expenditure overseas for the purchase of the car/vehicle for the execution of the contract.

(b) Indian companies having offices abroad will be eligible to import the car/vehicle in case their office is wound up in the foreign country subject to the production of the approval of the Reserve Bank of India towards purchase of the car and a certificate that the car/vehicle has been in use of the company abroad for atleast one year before the winding up of the foreign office.

Charitable and Missionary Institutions (Category I)

(ix) Charitable and Missionary institutions will be eligible to import utility vans, ambulances, station wagons, jeeps, mini-buses or passenger transport vehicles as gift subject to the condition that the institution is an established one functioning for the common benefit of the community and subject to production of necessary clearance under the Foreign Contribution Act, 1976.

Honorary Consuls of Foreign Governments (Category J)

(x) Honorary Consuls of Foreign Governments will be eligible to import a car subject to production of the specific recommendation of the Ministry of External Affairs. Import of second car may be allowed after a minimum period of 5 years from the date of import of the first car. The request for sale of the first car in the open market may be considered by the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi in the event of permitting import of a second car. Where an Honorary Consul is changed during the period of five years, the new Honorary Consul shall not be allowed to import another car but the car imported by his predecessor shall be transferred to the Honorary Consul with the prior approval of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi.

3. Attention is also invited to the Hand Book of Procedures for April 1990—March, 1993, published under the Ministry of Commerce Public Notice No. 2-ITC (PN)/90-93 dated the 30th March, 1990, as amended.

4. The following amendments shall be made in the Hand Book of Procedures at appropriate places indicated below—

Sl. No.	Page No. of Hand Book of Procedures 1990-93 (Volume I).	Reference	Amendment			
			1	2	3	4
1.	52—53	Chapter IX Import of Cars & Vehicles	The existing Chapter shall be deleted.			
2.	200—202	Appendix IX Import of Cars & other vehicles.	This appendix shall be deleted.			

5. The above amendments in the Import and Export Policy and Hand Book of Procedures have been made in public interest.

D.R. MEHTA, Chief Controller of Imports and Exports